(c) whether the DDA has assessed the reasons for a large number of requests for cancellation of houses, if so, the details thereof; and

(d) whether the process of reimburesement of initial deposit money has been initiated, if not, by when it is likely to be completed, stating the reasons for the delay?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT (SHRI P. K. THUNGON): (a) DDA has reported that 6847 houses have been allotted under the Expandable Housing Scheme 1995.

(b) About 3700 requests have been recived as on 31.07.1995.

(c) No specific study has been undertaken for the purpose. However, the applications received for cancellation of allotments reveal that the surrender of flats has been made for the following reasons:--

(i) Allottees find the cost on the higher side.
(ii) Financial problems.
(iii) The flats are not located in population localities.
(iv) Small accommodation.
(v) Personal Reasons.

(d) The process of reimburesement of initial deposit money after introducing cancellation charges in respect of applicants, who have surrendered the allotments, has already been started.

लौह अयस्क के उत्पादन हेतु स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) द्वारा शुरु की गई परियोजनाएं

2508. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने देश में लौह अयस्क के उत्पादन हेतु कौन-कौन सी परियोजनाएं आरम्भ की है

(ख) क्या "सेल" ने इस आश्य की कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की है कि वित्तीय संकट के कारण बड़े उत्पादन कार्यक्रम आरम्भ नहीं किये जाएगे;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पश्चिमी बंगाल और मध्य प्रदेश राज्यों में किन्हीं ऐसे कार्यक्रमों को छेड़ दिया गया है; और

(ड) यदि हां, तो ऐसी परियोजनाओं को पुन: चालू करने के लिये "सेल" को पर्याप्त धन उपलब्ध कराने हेतु क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) लौह अयस्क का उत्पादन करने के लिये पिछले 3 वर्षों 1992-93 से 1994-95 के दौरान "सेल" द्वारा कोई नई परियोजना शुरु नहीं की गई है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) जी, नहीं।

(ड) प्रश्न नहीं उठता।

हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एच.एस.सी.एल.) के दुर्गापुर स्थित एकक में विभागीय मजदूरों की संख्या

2509. **श्री गया सिंह:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) एच.एस.सी.एल. के दुर्गापुर स्थित एकक में कुल कितने विभागीय मजदूर कार्यरत हैं;

(ख) वहां कितने ठेका मजदूर कार्यरत हैं; और

(ग) सप्लाई मजदूरों (दैनिक वेतन भोगी ठेका मजदूर) की कुल संख्या कितनी है और तत्संबधी ब्यौरा क्या है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) एच.एस.सी.एल. की दुर्गापुर इकाई में इस समय 486 विभागीय कर्मचारी हैं।

(ख) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण के अंतर्गत कार्य निष्पादित करने के लिये एच.एस.सी.एल. द्वारा एजेंसियों के माध्यम से लगाए गये ठेका कामगारों की संख्या 1850 है।

(ग) एच.एस.सी.एल. ग्राहकों को श्रमिक नहीं देता। अत: इस जानकारी को शून्य समझा जाए।

Privatisation of Mines

2510. SHRI KRISHAN KUMAR BIRLA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the press news-item